

Signature and Name of Invigilator

Roll No. 

--	--	--	--	--	--	--	--

  
(In figures as per admission card)

1. (Signature) \_\_\_\_\_  
(Name) \_\_\_\_\_

2. (Signature) \_\_\_\_\_  
(Name) \_\_\_\_\_

Roll No. \_\_\_\_\_  
(In words)

Test Booklet No.

**D-7208**

PAPER – III

Time : 2½ hours] **COMPARATIVE LITERATURE** [Maximum Marks : 200

Number of Pages in this Booklet : 32

Number of Questions in this Booklet : 26

**Instructions for the Candidates**

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. Answers to short answer/essay type questions are to be given in the space provided below each question or after the questions in the Test Booklet itself.

**No Additional Sheets are to be used.**

3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :

(i) To have access to the Test Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.

(ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the question booklet will be replaced nor any extra time will be given.**

4. Read instructions given inside carefully.
5. One page is attached for Rough Work at the end of the booklet before the Evaluation Sheet.
6. If you write your name or put any mark on any part of the Answer Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, you will render yourself liable to disqualification.
7. You have to return the Test booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
8. Use only Blue/Black Ball point pen.
9. Use of any calculator or log table etc. is prohibited.
10. There is NO negative marking.

**परीक्षार्थियों के लिए निर्देश**

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए।
2. लघु प्रश्न तथा निबंध प्रकार के प्रश्नों के उत्तर, प्रत्येक प्रश्न के नीचे या प्रश्नों के बाद में दिये हुये रिक्त स्थान पर ही लिखिये।

**इसके लिए कोई अतिरिक्त कागज का उपयोग नहीं करना है।**

3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी। पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :

(i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी सील को फाड़ लें। खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें।

(ii) कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं। दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात् किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें। इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे। उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा।

4. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।
5. उत्तर-पुस्तिका के अन्त में कच्चा काम (Rough Work) करने के लिए मूल्यांकन शीट से पहले एक पृष्ठ दिया हुआ है।
6. यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर अपना नाम या ऐसा कोई भी निशान जिससे आपकी पहचान हो सके, किसी भी भाग पर दर्शाते या अंकित करते हैं तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित कर दिये जायेंगे।
7. आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और इसे परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें।
8. केवल नीले / काले बाल प्वाइंट पेन का ही इस्तेमाल करें।
9. किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है।
10. गलत उत्तर के लिए अंक नहीं काटे जायेंगे।

## COMPARATIVE LITERATURE

तुलनात्मक साहित्य

PAPER – III

प्रश्न-पत्र – III

**NOTE:** This paper is of two hundred (200) marks containing four (4) sections. Candidates are required to attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.

**नोट :** यह प्रश्नपत्र दो सौ (200) अंकों का है एवं इसमें चार (4) खंड है। अभ्यर्थियों को इन में समाहित प्रश्नों का उत्तर अलग दिये गये विस्तृत निर्देशों के अनुसार देना है।

## SECTION - I

### खण्ड – I

**Note :** This section contains five (5) questions based on the following paragraph. Each question should be answered in about thirty (30) words and each carries five (5) marks.

(5x5=25 marks)

**नोट :** इस खंड में निम्नलिखित अनुच्छेद पर आधारित पाँच (5) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग तीस (30) शब्दों में अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न पाँच (5) अंकों का है।

(5x5=25 अंक)

The picture changes radically, when we turn to consider the way in which Europe was projecting itself on the rest of the world. The American revolution of 1776 had set the native English of the colonists off along a new road, and in the early nineteenth century the revolutions in Latin America were to follow a similar process of rupture with Spain. The vexed question as to whether an author like Ann Bradstreet could be considered American (because she lived and wrote in New England for most of her life) or English (because her poems were published in England, there not being facilities available in the colonies) could finally be resolved. American literature may have taken English writers as models, but American writers were developing separately, in terms of means of production as well as subject matter and form. Likewise, through the nineteenth century we find Latin American writers endeavouring to create an epic fit for a new continent, still caught up in the coils of publishing policy, censorship, stylistic constraints and a host of other legacies from Spain and Portugal, but nevertheless seeing revolutionary struggle as linked to the emergence of new literatures.

Literary developments in the New World reflected a new order. In complete contrast is the attitude of a colonial power to the literature produced by peoples under its domination, and probably the most extreme example of this philistine vision is the (in) famous comment by Macaulay, who, in 1835, stated that:

I have never found one among them (Orientalists) who could deny that a single shelf of a good European library was worth the whole native literature of India and Arabia. I have certainly never met with any Orientalist who ventured to maintain that the Arabic and Sanskrit poetry could be compared to that of the great European nations.

दृश्य में आधारभूत परिवर्तन आ जाता है जब इस पर विचार करते हैं कि यूरोप किस प्रकार स्वयं को अन्य संसार के सामने प्रक्षेपित कर रहा था। अमेरिकी क्रान्ति 1776 ने मातृभाषा अंग्रेजी को उपनिवेशकों से अलग कर नए मार्ग पर डाल दिया था और उन्नीसवीं शती के प्रारम्भ में लेटिन अमेरिका में हुई क्रान्तियों से भी स्पेन विच्छेद होने की समान प्रतिक्रिया सामने आई। इस जटिल प्रश्न को कि क्या एन ब्राड स्ट्रीट जैसी लेखिका

को अमेरिकन समझा जा सकता है ( क्योंकि वह न्यू इंग्लैण्ड में अपने जीवन में अधिकतर वहाँ रही थी) अथवा उन्हें अंग्रेजी की लेखिका समझा जाए ( क्योंकि उनकी कविताएं इंग्लैण्ड में प्रकाशित हुई थीं क्योंकि उपनिवेशी बस्तियों में ऐसी सुविधा उपलब्ध नहीं थी) को अन्तिम रूप से सुलझाया जा सकता है। अमेरिकन साहित्य ने भले ही अंग्रेजी लेखकों को माडल के रूप में ग्रहण किया हो, परन्तु अमेरिकन लेखक सृजन के साधनों, विषय-वस्तु और रूप की दृष्टि से अलग से विकास कर रहे थे। इसी तरह, उन्नीसवीं शती में हम पाते हैं कि अमेरिकन लेखक नवद्वीप के लिए उपयुक्त महाकाव्य के सृजन का प्रयास कर रहे हैं, जो प्रकाशन नीति, संसार शैलीगत बन्धनों तथा स्पेन और पुर्तगाल की विरासतों के अवरोधकों से बंधे हैं फिर भी वे क्रान्तिकारी संघर्ष को नए साहित्यों के उगम ने से सम्बन्ध मानते हैं।

नव संसार में साहित्यिक विकास ने नए क्रम को परिलक्षित किया। इससे उपनिवेशी शक्तियों का दृष्टिकोण उस साहित्य के प्रति पूर्णतया विपरीत है जो उनके प्रभुत्व के अधीन आने वाले लोगों के द्वारा लिखा गया है और इस का शायद सबसे उग्रतम उदाहरण है मैकाले की (कु) प्रसिद्ध टिप्पणी जो उसने 1835 में की थी।

“मुझे प्राच्यवेत्ताओं में से एक भी ऐसा नहीं मिला जो इस से इन्कार कर सके कि अच्छी यूरोपियन लाइब्रेरी का एक शेल्फ भारत और अरब के समस्त साहित्यों के तुल्य है। मुझे यकीनन ऐसा कोई प्राच्यवेत्ता नहीं मिला है जिसने यह विश्वास करने का साहस किया हो कि संस्कृत काव्य की तुलना श्रेष्ठ यूरोपियन राष्ट्रों के काव्य से की जा सकती है।”

1. How was Europe projecting itself on the rest of the world ?

अन्य संसार में यूरोप किस प्रकार स्वयं को प्रक्षेपित कर रहा था?

2. Explain the 'vexed question' referred to in the passage.

गद्यांश में संदर्भित 'जटिल प्रश्न' की व्याख्या कीजिए।

3. What is the uniqueness of American Literature ?

अमेरिकन साहित्य का अनूठापन क्या है?

4. How did Latin American Literature, emerge as New Literature ?  
नव साहित्य के रूप में अमेरिकन साहित्य का प्रादुर्भाव कैसे हुआ?

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

5. Give an example of the imperial perspective.  
साम्राज्यवादी दृष्टिकोण का एक उदाहरण दीजिए।

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

SECTION - II

खण्ड – II

**Note :** This section contains fifteen (15) questions, each to be answered in about thirty (30) words. Each question carries five (5) marks.

(5x15=75 marks)

**नोट :** इस खंड में पाँच-पाँच (5-5) अंकों के पंद्रह (15) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग तीस (30) शब्दों में अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न पाँच (5) अंकों का है।

(5x15=75 अंक)

6. How does H.H. Remak define Comparative Literature ?

एच.एच. रीमाक ने तुलनात्मक साहित्य की क्या परिभाषा दी है?

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

7. Write a note on 'National Literature'.

'राष्ट्रीय साहित्य' पर नोट लिखिए।

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

8. What are the responsibilities of a literary historian ?

साहित्य के इतिहास लेखक के दायित्व क्या हैं?

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---



9. What is 'adaptation' in translation ?  
अनुवाद में 'रूपानुकूलन' क्या है?

10. Explain 'influence' with reference to Comparative Literature.  
तुलनात्मक साहित्य के संदर्भ में 'प्रभाव' को स्पष्ट कीजिए।

11. What is a classic ?

क्लासिक क्या है?

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

12. What is the difference between genre and form ?

‘विधा’ और ‘रूप’ में क्या अन्तर है?

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

13. Explain Aristotle's concept of 'Hamartia'.

'हमार्शिया' सम्बन्धी अरस्तु की धारणा को स्पष्ट कीजिए।

14. Explain 'epoch' and 'period'.

'युग' और 'काल' शब्दों को स्पष्ट कीजिए।

15. What is 'Baroque' ?

'बॅरोक' क्या है?

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

16. What is 'Occidentalism' ?

पाश्चात्यवाद क्या है?

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

17. What, according to S S. Praver, is 'Placing' ?

एस.एस. प्रावेर के मतानुसार 'पलेसिंग' क्या है?

18. Explain the term 'différance'.

शब्द 'डिफरेंस' को स्पष्ट कीजिए।

19. What is 'Vorticism' in poetry ?

काव्य में 'वोर्टिसिज़्म' (vorticism) क्या है?

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

20. What, according to Bakhtin, is 'Carnavalesque' ?

बाख़तिन के अनुसार, कार्निवलैस्क (Carnavalesque) क्या है?

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

SECTION - III

खण्ड – III

**Note :** This section contains five (5) questions of twelve (12) marks each.  
Each question is to be answered in about two hundred (200) words.  
(12x5=60 marks)

**नोट :** इस खंड में बारह (12) अंकों के पाँच (5) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग दो सौ (200) शब्दों में अपेक्षित है।  
(12x5=60 अंक)

21. Write a note on Goethe's observations on 'World Literature'.  
गोयटे के 'विश्व साहित्य' सम्बन्धी कथनों पर नोट लिखिए।
22. Discuss Baldensperger as a comparatist.  
संतोलक के रूप में बालडिनस्पेर्जर की चर्चा कीजिए।
23. Attempt a brief survey of the evolution of 'Genre' from the ancient to the modern times.  
पुरातन से आधुनिक काल तक 'विधा' के विकास का संक्षिप्त सर्वेक्षण कीजिए।
24. What, according to Dryden, are the three types of translation ? Discuss with illustrations.  
ड्राइडन के अनुसार अनुवाद के तीन प्रकार कौन से हैं? सोदाहरण चर्चा कीजिए।
25. Briefly discuss the concept of 'prefiguration'.  
'प्रीफिगेशन' की अवधारणा की संक्षिप्त चर्चा कीजिए।



















SECTION - IV

खण्ड – IV

**Note :** This section consists of one essay type question of forty (40) marks to be answered in about one thousand (1000) words on any one of the following topics.

(40x1=40 marks)

**नोट :** इस खंड में एक चालीस (40) अंको का निबन्धात्मक प्रश्न है जिसका उत्तर निम्नलिखित विषयों में से केवल एक पर, लगभग एक हजार (1000) शब्दों में अपेक्षित है।

(40x1=40 अंक)

26. Discuss in detail the concepts of 'Influence' and 'Analogy' in comparative literature. तुलनात्मक साहित्य में 'प्रभाव' और 'समानता' की अवधारणाओं की विस्तृत चर्चा कीजिए।

OR/अथवा

Examine the views of comparatists on Thematology.

थीमैटोलोजी के सम्बन्ध में संतोलकों के विचारों का परीक्षण कीजिए।

OR/अथवा

"Indian literature... should be compared not with any single literature of the west, but with the concept of western literature as a whole" - Discuss.

"भारतीय साहित्य ... का पश्चिम के किसी एक साहित्य से तुलना नहीं की जानी चाहिए, परन्तु समूचे रूप से पाश्चात्य साहित्य की अवधारणा से उसकी तुलना की जानी चाहिए।" विवेचना कीजिए।

OR/अथवा

Attempt a historical-critical survey of translation theories.

अनुवाद के सिद्धान्तों का ऐतिहासिक आलोचनात्मक सर्वेक्षण कीजिए।

OR/अथवा

Comment on the symbiotic relationship between literature and other Arts.

साहित्य और अन्य कलाओं के बीच प्रतीकात्मक सम्बन्धों पर विस्तृत टिप्पणी कीजिए।

















FOR OFFICE USE ONLY							
Marks Obtained							
Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained
1		26		51		76	
2		27		52		77	
3		28		53		78	
4		29		54		79	
5		30		55		80	
6		31		56		81	
7		32		57		82	
8		33		58		83	
9		34		59		84	
10		35		60		85	
11		36		61		86	
12		37		62		87	
13		38		63		88	
14		39		64		89	
15		40		65		90	
16		41		66		91	
17		42		67		92	
18		43		68		93	
19		44		69		94	
20		45		70		95	
21		46		71		96	
22		47		72		97	
23		48		73		98	
24		49		74		99	
25		50		75		100	

Total Marks Obtained (in words) .....

(in figures) .....

Signature & Name of the Coordinator .....

(Evaluation) Date .....